Mirae Asset Knowledge Academy

निवेशकों के लिए शैक्षणिक प्रयास

म्यूचुअल फ़ंड का परिचय

म्यूचुअल फ़ंड क्या है?

आसान शब्दों में कहें तो यह कई निवेशकों द्वारा पूल की गई वो रकम है,जिसे म्यूचुअल फ़ंड कहते हैं. इकट्ठी की गई इस रकम का प्रबंधन व्यावसायिक फंड प्रबंधकों द्वारा किया जाता है, जो अपनी निवेश प्रबंधन निपुणता की मदद से इस राशि को अलग–अलग वित्तीय प्रपत्रों में निवेश करते हैं.

एक निवेशक के रूप में आपके पास यूनिट्स होते हैं, जो मूल रूप से फ़ंड के उस हिस्से का सूचक हैं, जो आपके द्वारा निवेश की गई रकम के आधार पर आपके पास होते हैं.

१. एन ए वी क्या है?

जिस तरह एक शेयर की कीमत होती है, उसी तरह म्युचुअल फ़ंड यूनिट की भी एन ए वी होती है. इसे आसान शब्दों में कहें तो एन ए वी फ़ंड के प्रत्येक यूनिट का बाज़ार मूल्य है या वह कीमत है, जिस पर निवेशक यूनिट्स को खरीद या बेच सकता है. एन ए वी की गणना सामान्यतया दैनिक आधार पर की जाती है, जो कि किसी एक दिन को फंड के पास मौजूद शेयर्स, बॉण्ड्स और सिक्योरिटीज़ की मिली–जुली बाज़ार कीमत (अनुमति प्राप्त खर्च और शुल्क घटाकर) का प्रतिनिधित्व करती है.

आप जिस स्कीम में निवेश करते हैं, अगर उसकी एन ए वी १० या १०० हो, इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता. यदि फंड द्वारा १ साल में १०% लाभ दिलाया जाताहै तो एन ए वी बढ़कर ११ और ११० हो जाएगी. यानी दोनों ही एक समान लाभ दिलाएंगे. इसलिए निम्न एन ए वी पर ध्यान देने के बदले आप फंड की कार्यकुशलता पर ध्यान केन्द्रित करें.

२. अलग–अलग तरह के म्यूचुअल फ़ंड क्या हैं?

आप लघु अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं या दीर्घावधि के लिए? अपनी आर्थिक ज़रूरतों के पूरी तरह अनुरूप फ़ंड चुनने के लिए आपको आज उपलब्ध म्युचुअल फंड की जानकारी होना ज़रूरी है.

i. डेट म्यूचुअल फ़ंड

डेट म्यूचुअल फ़ंड उधार पर निर्भर करते हैं. तो आख़िर उधार लेते समय सामान्यतया कौन सी शर्तों का पालन करना पड़ता है?

- इतना भरोसा या आश्वासन कि निवेश की गई मूल राशि वापस लौटा दी जाएगी.
- ब्याज दर के आधार पर मिलने वाला ब्याज (जिसे कूपन रेट भी कहते हैं)
- वह अवधि, जिसके बाद निवेशित मूल रकम लौटाई जाएगी.

डेट फ़ंड्स आपके निवेश पोर्टफ़ोलियों में स्थिरता लाते हैं, क्योंकि इक्विटी फ़ंड्स की तुलना में इनका जोखिम कम होता है और इनका उद्देश्य अपकी मूल पूंजी को सुरक्षित रखने के साथ–साथ, स्थिर लाभ भी दिलाना होता है.

ii. इक्विटी म्यूचुअल फ़ंड

जब आप इक्विटी में निवेश करते हैं तो आपको उस कंपनी का मालिक समझा जाता है, वह भी आपकी निवेशित रकम की सीमा तक. आपका लाभ कंपनी की कार्यकुशलता से जुड़ा होता है, वो भी सहज रूप में एक मालिक की तरह. कंपनी जितना अधिक लाभ कमाती है, शेयर की कीमत भी उतनी अधिक होती है और आपका लाभ भी उतना अधिक होता है.

अधिक जोखिम युक्त इक्विटी फ़ंड्स में अधिक लाभ उपलब्ध कराने की क्षमता होती है. इस जोखिम से निपटने के लिए म्यूचुअल फंड का निवेश ऐसी अलग–अलग कंपनियों में किया जाता है, सामान्यतया जो एक या एक–दूसरे संबंधित क्षेत्रों से नहीं जुड़ी होती. इसे विविधीकरण कहते हैं, जिससे जोखिम कम हो जाता है.

iii. लिक्विड म्यूचुअल फ़ंड्स

वित्तीय शब्दों में शब्द लिक्विड का मतलब यह है कि ''मैं कितनी जल्दी अपनी निवेश की गई रकम वापस पा सकता हूं?'' अत्याधिक लिक्विड परिसंपत्ति बिल्कुल नकद रकम की तरह होती है. लिक्विड म्यूचुअल फंड्स का जोखिम नाममात्र होता है और इनसे आपको बचत खाते की तुलना में थोड़ा अधिक लाभ मिल सकता है. इन फंड्स द्वारा तेज़ी से परिपक्व होने वाली ऋण प्रत्याभूतियों में निवेश किया जाता है, इसलिए इनका जोखिम भी कम होता है.

iv. हायब्रिड फ़ंड्स

जैसा कि इनके नाम से ही जाहिर है हाइब्रिड फ़ंड्स वो होते हैं, जिनमें परिसंपत्ति श्रेणी मिली–जुली होती है जैसे ऋण प्रपत्र और इक्विटी दोनों ही पोर्टफोलियो में शामिल होते हैं. इसलिए इन फंड्स के द्वारा डेट पूंजी बाज़ार प्रपत्र और इक्विटी तीनों में ही निवेश किया जाता है.

३ म्यूचुअल फंडल के लाभ क्या हैं?

i. म्यूचुअल फंड्स लचीले होते हैं.

हर व्यक्ति का कमाने और खर्च करने का अपना अलग तरीका होता है, इसलिए निवेश भी लचीला होना चाहिए ताकि आप अपनी ज़रूरत के अनुसार निवेश कर सकें. म्यूचुअल फंड्स की कई ऐसी विशिष्टताएं हैं, जो इन्हें लचीला बनाती हैं जैसे निवेश की न्यूनतम राशि, अलग–अलग स्कीम, निवेश की वारंवारिता और विथड्रॉल विकल्प.

ii. म्यूचुअल फंड्स लिक्विड होते हैं.

खुली अवधि के फंड्स में, आप अपने यूनिट्स किसी भी कार्य के दिन खरीद या बेच सकते हैं. ३ कार्य के दिनों के भीतर आप अपने पैसे वापस पा सकते हैं.

iii. म्यूचुअल फंड्स पारदर्शी होते हैं और तुलनात्मक रूप से सुरक्षित होते हैं.

जब आप अपनी मेहनत से कमाई पूंजी किसी दूसरे के हाथ सौंपते हैं तो मन में एक असुरक्षा और डर का अहसास ज़रूर होता है. म्यूचुअल फंड्स के संबंध में आपकी पूंजी जाती है प्रोफेशनल्स के हाथों में, जिसका काम ही है बाज़ार पर नज़र रखना और आपके लिए लाभ के सुनहरे अवसर तलाश करना. यही नहीं, म्यूचुअल फंड्स द्वारा एक मासिक फैक्ट शीट प्रकाशित की जाती है, जिसमें उस स्कीम के बारे में सभी महत्त्वपूर्ण तथ्य और आंकड़े उपलब्ध कराए जाते हैं जिसमें आपे निवेश किया है. इसके अलावा इसकी एन ए वी अचक्रख में प्रकाशित की जाती है और कंपनी की वेबसाइट पर भी हर दिन प्रदर्शित की जाती है, ताकि आप अपने निवेश पर हमेशा निगरानी रख सकें.

iv. म्यूचुअल फंड्स आपको विविधीकरण में भी मदद करते हैं

एक पुरानी कहावत है –''अपने सारे अंडे कभी भी एक बास्केट में न रखें.''

इसलिए अलग–अलग तरह से निवेश करके आप अपना जोखिम कम कर सकते हैं. जैसा कि आपने पहले भी पढ़ा होगा कि म्यूचुअल फंड्स द्वारा अलग–अलग कंपननियों के शेयर्स में निवेश किया जाता है, जबकि डेट फंड्स द्वारा सरकारी प्रत्याभूतियों, नॉन कन्वर्टिबल डिबेन्चर, सर्टिफिकेट ऑफ़ डिपॉज़िट, कमर्शियल पेपर्स बॉण्ड्स और अन्य निश्चित आय की प्रत्याभूतियों में निवेश किया जाता है. इस तरह एक निवेशक के रूप में आपके पास होती है विविधीकृत निवेश से भरी बास्केट.

v. म्यूचुअल फंड्स लेन–देन का खर्च कम करते हैं.

सौदेबाजी की ताकत छिपी होती है कोई भी चीज़ होलसेल में खरीदने में. जाहिर है होलसेल की कीमत, रीटेल की तुलना में कम होगी. अब इसी सिद्धांत को म्यूचुअल फंड्स पर लागू करें. आपको क्या मिलता है? चूंकि कई लोग म्यूचुअल फंड में अपनी पूंजी पूल करते हैं, इसलिए आपको मिलती है सौदेबाजी करने की ताकत, जो कुल लेनदेन खर्च को कम कर देती है.

vi. व्यावसायिक प्रबंधन

क्या हम अपने बाल घर पर ही काटते हैं? यक़ीनन हमारा जवाब 'ना' ही होगा. हम इसके लिए सलून में जाते हैं, जहां हेअर कट एक्सपर्ट होते हैं. इसी तरह म्यूचुअल फंड में आपकी पूंजी का प्रबंधन प्रोफ़ेशनल फंड मैनेजर द्वारा किया जाता है, जिसके पास बाज़ार के रूझान की जानकारी और अनुसंधान आधारित ठोस आंकड़ों के साथ, फंड मैनेजमेंट की ख़ास निपुणता होती है.

४. म्यूचुअल फंड में कैसे निवेश करें?

इसका जवाब आपके आर्थिक लक्ष्य पर निर्भर करता है. पहले तो आप अपना लक्ष्य निर्धारित करें. फिर यह निश्चित करें कि आप कितना जोखिम उठाना चाहते हैं और इसके बाद म्युचुअल फंड का मूल्यांकन करें.

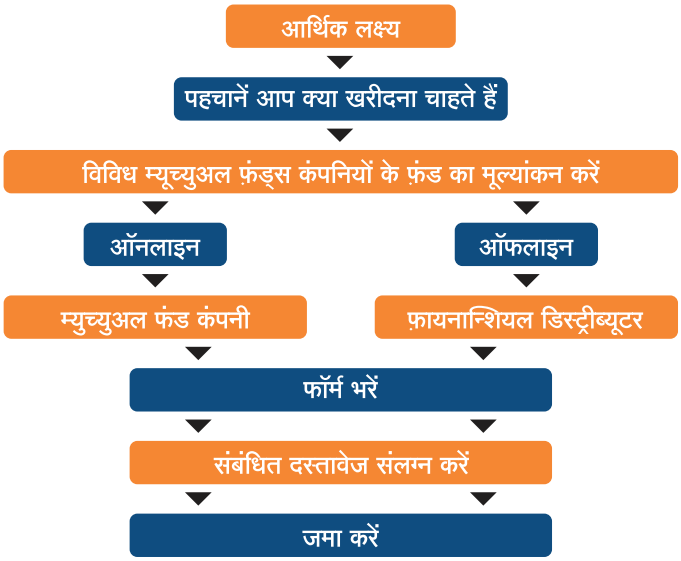

म्यूचुअल फंड में निवेश बाज़ार जोखिम के अधीन होता है. सभी स्कीम संबंधी दस्तावेज ध्यानपूर्वक पढ़ें

इ–मेल यहाँ भेजे
customercare@miraeasset.com

सम्पर्क करें
१८००–२०९०–७७७ (टोल फ्री)
सोम–शुक्र सुबह ९.३० से शाम ५.३०

इंटरनेट:
www.miraeassetmf.co.in

मीरे एसेट ग्लोबल इन्वेस्टमेंट (इंडिया) प्रा. लि. सी आई एन–
CIN - U65593MH2006FTC165663

यूनिट नं. ६०६, ६ वीं मंज़िल, विंडसर बिल्डिंग, ऑफ़ सी.एस.टी. रोड, कलीना, सान्ताक्रुज़, मुंबई – ४०० ०९६